कार्यशाला

सायबर क्राइम विषय पर इंदौर के पुलिस महानिरीक्षक वरुण कपूर ने सोशल साइट पर मर्यादा का ध्यान रखने की दी नसीहत

हार्डडिस्क फार्मेट करो या तोड़ दो, साइबर क्राइम से नहीं बच सकते

सिटी रिपोर्टर|बड़वानी

जाने-अनजाने में सायबर पर हुए अपराध के लिए 10 साल तक की जेल हो सकती है। सोशल मीडिया यानि फेसबुक, वाट्सएप, ट्विटर के उपयोग में आप सभी मर्यादा का ध्यान रखें। ऐसी कोई पोस्ट न डालें जो किसी.की मर्यादा भंग करती हो। किसी भी इलेक्ट्रानिक्स डिवाइस के उपयोग से किया गया कार्य सायबर क्राइम माना जाता है। सायबर क्राइम में आरोपी के फूट प्रिंट बनते हैं। जबकि सामान्य अपराधों में फिंगर प्रिंट से आरोपी को पकड़ा जाता है। विभिन्न साफ्टवेयर के उपयोग से सायबर सेल आरोपी तक पहुंचती है।

एसबीएन पीजी कॉलेज में हुई कार्यशाला में पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल इंदौर के पुलिस महानिरीक्षक वरुण कपूर ने यह बात कही। पीजी कॉलेज में गुरुवार सायबर क्राइम जागरुकता कार्यशाला हुई। श्री कपूर ने कहा सायबर क्राइम में अपराध की जानकारी हार्डडिक्स के जरिए कभी भी प्राप्त की जा सकती है। युवा यह कभी न सोचें कि हार्डडिक्स फार्मेट कर, तोड़कर या उसे जलाकर हम बच सकते हैं। आईटी एक्ट की धारा 66 ए के तहत सायबर क्राइम सिद्ध होने पर 3 साल की जेल का प्रावधान है। उन्होंने कहा लोगों तक पहुंच बनाने में रेडियो को 50 साल लगे, लेकिन सोशल साइट मात्र 2 साल में लाखों लोगों तक पहुंच गया। संचार के आधुनिक अनुसंधान पर होने वाले अपराधों की समुचित जानकारी रखकर बच सकते हैं। उन्होंने कहा व्यापार, मनोरंजन, कम्यूनिकेशन व अन्य कार्यों के लिए हर साल 2 करोड़ लोग गूगल पर सर्फिंग करते हैं। वहीं रोजाना 10 लाख लोगों के कम्प्यूटर वायरस अटैक से प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा विद्यार्थियों से सवाल भी पूछे। जिनके जवाब उन्होंने दिए। सही उत्तर देने पर कॅरियर सेल के सहयोगी छात्र शुभमसिंह व छात्रा प्रेरणा पाटील को प्रमाण पत्र व गोल्डन बेच भेंट किया। छात्र सावंत शर्मा व मोतीलाल सोलंकी को बेच भेंट किया। पीजी कॉलेज की जनभागीदारी समिति अध्यक्ष व कलेक्टर रवींद्रसिंह व प्राचार्य डॉ. एन.एल. गुप्ता ने श्री कपूर को स्मृति चिह्न व प्रमाण पत्र भेंट किया। इस दौरान कलेक्टर श्री सिंह, एसपी तिलकसिंह, एएसपी टी.एस. बघेल, रेडियो ट्रेनिंग स्कूल इंदौर के उपपुलिस अधीक्षक राजिंद्ररसिंह वर्मा, उप निरीक्षक राजेंद्र स्वामी, एसडीओपी एएस मंडलोई, कॉलेज के प्रशासनिक अफसर डॉ. प्रमोद पंडित, कॉलेज स्टाफ सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

विद्यार्थियों को साइबर क्राइम की जानकारी देते इंदौर के पुलिस महानिरिक्षक वरुण कपूर।